सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
वर्ष: 11 अंक: 85 पृष्ठ: 8 लखनऊ, मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए
-बी.आर. अम्बेडकर

सूर्यवंशी की वैभवशाली पारी से... 7
दक्षिण से फिर उठी सियासी... 3
पीडीए की आंधी में उड़ जाएगी... 2

4PM से डरी मोदी सरकार!

यूट्यूब के नेशनल चैनल पर लगाया बैन

राष्ट्र की सुरक्षा के नाम पर लगाया प्रतिबंध

» आम से लेकर खास लोगों ने चैनल का किया समर्थन
» लोग बोले - अगर कुछ भी गलत होगा तो सवाल आपसे ही पूछा जाएगा प्रधानमंत्री जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में सबसे लोकप्रिय व सरकार का सच सामने लाने वाले यूट्यूब चैनल 4 पीएम के नेशनल चैनल पर मोदी सरकार ने बैन लगा दिया है। सरकार ने वह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर लगाया है। सरकार के इस फैसले का चारों ओर आलोचना हो रही है। आम से लेकर खास लोगों ने 4पीएम चैनल व संपादक संजय शर्मा का खुलकर समर्थन किया है और सरकार की तीखी आलोचना करते हुए इसे कायराना हरकत बताया है।

देश पर 11 साल से आपका शासन है मोदी जी! यहां के सुख, दुख से लेकर हर चीज के लिए आप जिम्मेदार हैं। इसलिए जब अगर कुछ भी गलत होगा तो सवाल आपसे ही पूछा जाएगा और जवाब भी आप ही को देना होगा। पर सवाल करने वालों पर प्रतिबंध लगा देना आपकी बहादुरी नहीं कायरता है। अगर अपनी 56 इंच के सीने का दावा करते हैं तो देश में घट रही घटनाओं को रोकने में आप क्यों असफल हो रहें है। प्रधानमंत्री जी आप सत्य को चाहे जितना दबाने की कोशिश करें वह सात परतों के बाद भी बाहर निकल आएगा।

दरअसल, सरकार ने सरकार से आंख में आख डालकर सवाल पूछने वाली निर्भिक यूट्यूब चैनल 4पीएम के नेशनल चैनल पर बैन लगा दिया है।

सरकार का फैसला कायरना

चैनल द्वारा सच को दिखाने से पीएम नरेंद्र मोदी डर गए हैं, और इसी डर की वजह से 4 पीएम के नेशनल यूट्यूब चैनल को बंद करा दिया है। मोदी सरकार सबसे निचले स्तर पर आ गिरी है। पाकिस्तान पर कोई ठोस कार्रवाई जब इनसे नहीं हो पा रहा तो ये देश के लोगों और पत्रकारों को कुचलने की कोशिश कर रही है। ये सब नेशनल सिक्योरिटी की आड़ में किया जा रही है।

लोकतंत्र की एक मजबूत आवाज को कुचलने की कोशिश : संजय शर्मा

हमारा नेशनल चैनल 4 पीएम सरकार ने बंद करवा दिया। नेशनल सिक्योरिटी का बहाना बनाकर लोकतंत्र की एक मजबूत आवाज को कुचलने की कोशिश की गई है। मैं देश से उतना ही नहीं, उससे कहीं ज्यादा प्यार करता हूँ जितना ये सरकार दावा करती है। अगर किसी वीडियो पर सरकार को आपत्ति थी, तो एक मेल भेजकर बताया जा सकता था। मैं खुद जांचता और अगर गलती होती, तो उसे हटा देता। लेकिन सच ये है कि मोदी देश नहीं हैं। सरकार से सवाल पूछना गुनाह नहीं है, लोकतंत्र में आवाज उठाना हमारा अधिकार है।

उम्मीद है कोर्ट से न्याय मिलेगा

अगर किसी एक वीडियो से दिक्क़त थी तो उसे हटवा दिया गया होता, पूरा चैनल बंद करवाने का क्या मतलब है? उम्मीद है कोर्ट से न्याय मिलेगा उन्हें।

आखिर भाजपा चाहती क्या है

लोगों ने सवाल किया बहुचर्चित चैनल 4पीएम भाजपा ने बंद कर दिया है। आखिर भाजपा चाहती क्या है? कभी नेहा सिंह राठौर से दिक्कत, कर दो एफआईआर, कभी मेडुसा के व्यंग्य से दिक्कत, कर दो एफआईआर! अब वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा जी के यूट्यूब चैनल 4पीएम से दिक्कत, करवा दिया बंद ! बाकी गोदी में बैठे दलाल रोजाना पाकिस्तानियों को टीवी पर बुलाकर मुर्गा लड़ाई करवा रहे हैं! देश के खिलाफ जहर उगलवा रहे हैं, उनसे कोई दिक्कत नहीं है? देश में अघोषित आपातकाल लग रहा है ? सुरक्षा का हवाला देकर बोलने की आजादी छीनी जा रही है।

संपादक संजय शर्मा ने कहा- तानाशाही से हम डरने वाले नहीं हैं

सरकार से सवाल पूछना पाप है

4पीएम का नेशनल चैनल ब्लॉक कर दिया गया है। देश को टीवी पर पाकिस्तानियों से गाली दिलवाना, हिंदुओं को मलमूत्र पीने वाला बताने की छूट देना सब चलेगा क्योंकि उससे नफरत की राजनीति को फायदा होगा। लेकिन सरकार से सवाल पूछना पाप है। हम आपके साथ हैं।

हम 4 पीएम और बाकी सभी 4 पीएम राज्य चैनलों पर अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। आपसे अनुरोध है कि उन चैनलों को तुरंत सब्सक्राइब करें और इस संघर्ष में हमारा साथ दें। चैनल बंद हो सकता है, पर हमारी आवाज नहीं। चाहे यूट्यूब हो या कोई और मंच, हम लोकतंत्र की मशाल जलाते रहेंगे। बस आपका स्नेह, आपका साथ, और आपका विश्वास हमेशा हमारे साथ बना रहे। 4पीएम एक आवाज है और आवाजों को बंद नहीं किया जा सकता।

पीडीए की आंधी में उड़ जाएगी भाजपा: अखिलेश

» बोले- सिंधु नदी के फैसले पर रहेंगे केंद्र के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर योगी सरकार पर हमला बोला है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आधी आबादी, आदिवासियों) पर चुन-चुनकर हमले हो रहे हैं। भाजपा सरकार में कुछ लोगों को खुली छूट है, क्योंकि सत्ता में ऊपर से लेकर नीचे के पदों पर उन्हीं के सजातीय लोग बैठे है।

रामजीलाल सुमन पर हमला इसलिए हुआ, क्योंकि वह दलितों को कुचलने वालों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए बुलंदशहर के सुनहरा गांव जा रहे थे। यह हमला सरकार और कानून व्यवस्था को चुनौती है। कहा, इससे समाजवादी लोग डरने वाले नहीं हैं। जो लोग हमें या रामजीलाल सुमन को धमकी दे रहे हैं, वे हमको नहीं मुख्यमंत्री, डीजीपी और वर्दी वालों को चुनौती दे रहे हैं। कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जाने वाली सरकार नए एक्सप्रेसवे बनाने की बात कर रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए की हवा में भाजपा का पता नहीं चलेगा। अखिलेश ने संवाददाताओं से कहा कि लोहिया वाहिनी के नौजवान पीडीए संकल्प को लेकर घर-घर जाएंगे। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद संजय लाठर और पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन भी शामिल हुए।

रामजी लाल सुमन पर हमला करने वालों को सरकार का समर्थन

उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पर हमला करने वालों को मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक का समर्थन है। लेकिन, हम इससे डरने वाले नहीं हैं। किसी भी मुद्दे पर खुले मंच पर बात करने को तैयार हैं। मैं आमंत्रण (भाजपा के लोगों को) दे रहा हूं, आइए, खुले मंच से बात करिए। पहलगाम में आतंकी हमले पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सिंधु नदी का पानी रोकने के केंद्र सरकार के फैसले पर सपा का पूरा समर्थन रहेगा।

महापुरुषों के बारे में ठेस पहुंचाने शब्दों का प्रयोग न करें

यह पूछने पर कि वीर सावरकर के बारे में समाजवादियों की क्या राय है? अखिलेश ने कहा कि हर महापुरुष से लोगों की भावनाएं जुड़ी हैं। कोई ऐसा शब्द प्रयोग नहीं करना चाहिए, जिससे लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचे। साथ ही कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि मैं राहुल गांधी को कोई सलाह दे रहा हूं। भाजपा की विचारधारा की नींव में अंग्रेजों की बांटो और राज करो का सिद्धांत है।

होर्डिंग लगाई : अखिलेश के साथ जोड़ा आंबेडकर का चेहरा

डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ अखिलेश यादव का चेहरा। राजधानी में लगा यह होर्डिंग सपा के सम-सामायिक दांव-पेच समझने और समझाने के लिए काफी है। याद होगा कि महाराष्ट्र के सपा अध्यक्ष अबू आसिम आजमी के औरंगजेब को लेकर दिए गए बयान पर भाजपा ने काफी तूल दिया था। खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि उसे यूपी भेजो, सबक हम सिखा देंगे। लेकिन, सपा ने पूरे प्रकरण को कोई खास तूल नहीं दिया। कुछ ही दिनों में मुद्दे की गर्माहट शांत हो गई। वजह, सपा ऐसे किसी मुद्दे की पिच पर नहीं खेलना चाहती, जिससे हिंदू-मुस्लिम के आधार पर चुनावी बंटवारा हो। पिछले कई चुनाव बताते हैं कि ऐसा होने पर यूपी में सपा के हाथ पराजय ही लगेगी।

जाटव वोटबैंक पर भी नजर

रामजी लाल सुमन जाटव बिरादरी से हैं, यह जाति अब भी बसपा का मजबूत जनाधार मानी जाती है। इसके लिए डॉ. आंबेडकर ईश्वर से कम नहीं हैं। इस पूरे संघर्ष के जरिये सपा की नजर मायावती के बचे वोटबैंक पर भी है। एक-दूसरे में समाया हुआ डॉ. आंबेडकर और अखिलेश का चित्र सपा की यही रणनीति स्पष्ट कर रहा है। लोकसभा चुनाव के परिणाम इस रणनीति की झलक दे चुके हैं। अब यह तो सत्ताधारी भाजपा को देखना है कि वो करणी सेना और रामजीलाल सुमन के मामले को कैसे हैंडल करती है और सपा के इस प्रयोग का क्या जवाब ढूंढती है।

नए सिरे से रणनीति बनाएगी बसपा

रामजी लाल प्रकरण के बाद सजग हुई पार्टी

» सपा को भी घेरने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दलितों पर हमले और उत्पीड़न के बढ़ते मामलों को लेकर जारी सियासत ने बहुजन समाज पार्टी भी असहज हो गई है। सपा सांसद रामजी सुमन पर हुए हमले को मुद्दा बनाकर दलितों के बीच अपनी सियासी जमीन को मजबूत कर रही है, जिससे बसपा को अपना वोटबैंक खिसकने की चिंता सताने लगी है।

दरअसल, बसपा गौतमबुद्ध और डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करने, दलितों की बरात पर होने वाले हमले और उनके उत्पीड़न के खिलाफ आवाज तो उठा रही है, लेकिन उसे उम्मीद के मुताबिक समर्थन नहीं मिल रहा है। इस पर पार्टी हाईकमान ने वरिष्ठ नेताओं को अब दलितों के साथ होने वाली घटनाओं की गहनता से पड़ताल करने और उनके घरों पर जाकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पार्टी इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन शुरू करने की रणनीति तय करेगी। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों का मानना है कि बसपा को सपा से ज्यादा आजाद समाज पार्टी से नुकसान हो रहा है। पार्टी में बीते दिनों मची उठापटक ने भी समर्थकों को विचलित किया है। इससे पहले बीते लोकसभा चुनाव में भी सपा के पीडीए के नारे ने दलितों को भ्रमित किया था। जानकारों की मानें तो बदली परिस्थितियों में दलित वोटबैंक असमंजस में है और नए विकल्प तलाश रहा है।

आकाश पर असमंजस

बसपा में पूर्व नेशनल को-आर्डिनेटर आकाश आनंद को कोई अहम जिम्मेदारी नहीं देने से भी कार्यकर्ता निराश हैं। दरअसल, आजाद समाज पार्टी का मुकाबला करने और युवाओं को पार्टी के साथ जोड़ने के लिए आकाश आनंद को मुफीद माना जा रहा था। उनकी जगह मायावती ने अपने पुराने वरिष्ठ पदाधिकारी राजाराम को नेशनल को-ऑर्डिनेटर बना दिया है जिससे आकाश के समर्थक निराश हैं। वहीं, बिहार चुनाव की जिम्मेदारी नेशनल को-ऑर्डिनेटर रामजी गौतम को सौंपी गई है।

'पुलिस बल का मनोबल तोड़ रही हरियाणा सरकार'

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा के दिग्गज नेता पूर्व राज्यपाल उड़ीसा गनेशी लाल के बेटे मनीष सिंगला से हरियाणा के डीएसपी के माफी मांगने का मामला काफी तूल पकड़ने लगा है। अब मामले उत्तर प्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की एंट्री हो गई है।

पूर्व सीएम ने भाजपा पर प्रहार किया है। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने अपने एफबी वाल पर पोस्ट करके लिखा है कि क्या भाजपा एक कर्तव्य निष्ठ पुलिस अधिकारी को ऑन कैमरा एक नेता से माफी मंगवा कर पुलिस बल का मनोबल नहीं तोड़ रही है? यह निंदनीय है। इससे पहले जजपा नेता दिग्विजय चौटाला ने जताया कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि भाजपा नेता द्वारा पुलिस उपाधीक्षक से माफी मंगवाने का वीडियो वायरल हो रहा है। सत्तारूढ़ पार्टी के नेता द्वारा डीएसपी से माफी मंगवाना और वीडियो बनवाना सरासर गलत है। अपनी ड्यूटी अच्छे से निभाने वाले अफसर को सत्ता के घमंड में भाजपा नेता ने अपमानित किया है। यह पुलिस फोर्स के मनोबल को तोड़ने वाला काम है। डीजीपी अपने जवानों और अफसरों के पक्ष में घटना का संज्ञान लें।

हक के लिए केंद्र से लड़ेंगे लड़ाई: सुखविंद्र सिंह सुक्खू

» सीएम बोले- प्रदेश की संपदा को नहीं लुटने देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोलन। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर प्रदेश की संपदा को लुटने नहीं देंगे। सोलन के गांधीग्राम में स्थित एक निजी होटल में राष्ट्रीय ट्रक और बस मीट के दौरान पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि शानन प्रोजेक्ट का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और उन्होंने अपना हक मांगा है। एडवोकेट कपिल सिब्बल हिमाचल का पक्ष रख रहे हैं।

पूर्व सरकार ने हिमाचल की संपदा को बचाने के लिए गंभीरता से काम नहीं किया। कांग्रेस ने अपनी योजनाओं को बदला है और पिछली सरकारों ने जो गलत किया, उसकी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि शानन प्रोजेक्ट के मामले में किसी की बयानबाजी से कुछ नहीं होगा। वह कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह सिर्फ शानन प्रोजेक्ट की बात नहीं है, बल्कि दूसरे प्रोजेक्ट्स में भी इसी तरह के कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल के पास पानी सबसे बड़ी संपदा के तौर पर है। प्रदेश को इसका हक मिलना चाहिए। जबकि इसका लाभ दूसरी कंपनियों को हुआ है। आज एसजेवीएनएल 67 हजार करोड़ रुपये की कंपनी बन गई, जबकि प्रदेश 58 हजार करोड़ के बजट पर ही रह गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋण लेना एक सामान्य प्रक्रिया है और सभी सरकारें ऋण लेती हैं। जीडीपी के अनुसार ही यह ऋण मिलता है। वहीं पाकिस्तान के मुद्दे पर पूछे गए सवाल में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के दिशा निर्देशानुसार पाकिस्तानी नागरिक नियमानुसार प्रदेश को छोड़ दें।

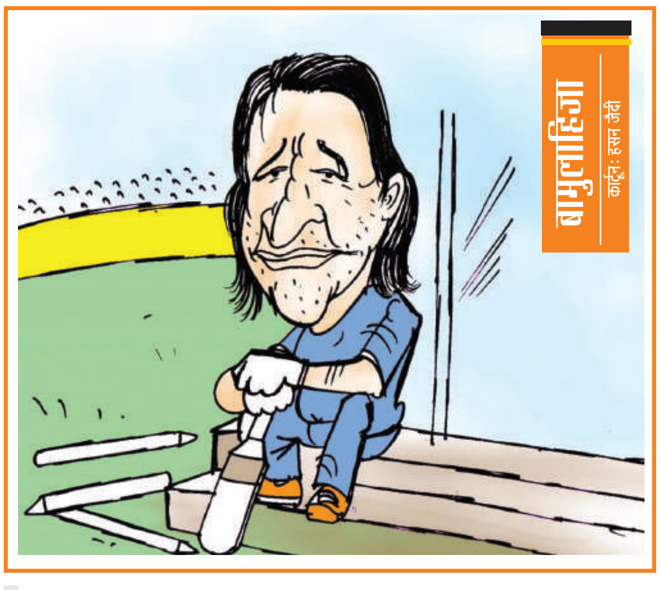

मप्र में आदिवासियों पर बढ़ा अत्याचार: उमंग सिंघार

» बोले नेता प्रतिपक्ष- भू-माफिया के साथ है मोहन सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कांग्रेस नेता भाजपा की मोहन सरकार पर जमकर हमला बोला है। प्रदेश में आदिवासी और दलित समुदायों पर अत्याचार के मुद्दे पर सिंघार ने चिंता जताते हुए कहा कि बालाघाट में आदिवासी लड़कियों के साथ बलात्कार की घटनाएं अत्यंत निंदनीय हैं।

पहलगाम हमले को लेकर उन्होंने शोक व्यक्त किया और मृतकों को श्रद्धांजलि दी। वहीं, 2021 की जनगणना नहीं कराए जाने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यह गंभीर षड्यंत्र है, जिससे पिछड़े वर्गों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरएसएस पत्रकारों पर अपनी विचारधारा थोपना चाहती है, जिसके लिए माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में अयोग्य शिक्षकों से आरएसएस की विचारधारा पढ़ाई जा रही है। उन्होंने प्रेस की स्वतंत्रता पर हो रहे हमलों का भी जिक्रक्र किया। इंदौर शहर में हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर उमंग सिंघार ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

दक्षिण से फिर उठी सियासी उठा-पटक

कर्नाटक व केरल में मची रार, तमिलनाडु में भी उलटफेर, मुख्यमंत्री विजयन के मुख्य प्रधान सचिव पर बरसी कांग्रेस, सीएम सिद्धरमैया पर भाजपा का वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। एकबार फिर दक्षिण भारत से सियासत में उठापटक की खबरें आ रही है। जहां कर्नाटक में सीएम सिद्धरमैया के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर पाक से युद्ध न करने की बात कहने पर बवाल मचा हुआ है तो वहां डिप्टी सीएम का भाजपा व जेडीएस पर कांग्रेस सरकार को गिराने की बात कहकर कोहराम मचा दिया। वहीं केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले, केरल उच्च न्यायालय ने अब्राहम के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे।

निर्वाचन क्षेत्र उत्तर परवूर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा कि यह राज्य के लिए शर्म की बात है कि अब्राहम (जिन पर इतने गंभीर आरोप हैं) मुख्यमंत्री कार्यालय में महत्वपूर्ण पद पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अब्राहम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। सतीशन ने कहा कि अदालत को प्रथम दृष्ट्या इस बात के सबूत मिले हैं कि उनके पास उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति है। यह भी पाया गया कि मुख्यमंत्री के अधीन कार्यरत सतर्कता विभाग ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिसके कारण अदालत ने सीबीआई जांच का आदेश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब्राहम (जो मुख्य सचिव के पद पर भी सेवा दे चुके हैं) को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। सतीशन ने कहा, अगर वह पद छोड़ने से इनकार करते हैं, तो मुख्यमंत्री को उन्हें पद से हटा देना चाहिए। क्या मुख्यमंत्री अब्राहम से इसलिए डरते हैं कि वह लवलीन मामले में गवाह थे?

क्या फोन टैपिंग कराना मुख्य प्रधान सचिव का काम : सतीशन

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अब्राहम ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में खुलासा किया है कि उनके पास प्रमुख व्यक्तियों के 10,000 सेकंड के कॉल डेटा रिकॉर्ड हैं। उन्होंने कहा कि अब्राहम ने अवैध फोन टैपिंग की बात स्वीकार की है। सतीशन ने पूछा कि क्या फोन टैपिंग कराना मुख्य प्रधान सचिव का काम है उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गंभीर वित्तीय संकट के बावजूद वर्षगांठ समारोह पर 100 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है। सतीशन ने कहा, कि मुख्यमंत्री राज्य के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताने वालों की आलोचना करते हैं और उन्हें विकास विरोधी करार देते हैं। उन्होंने कहा कि एलडीएफ के शासन के दौरान राज्य का कर्ज 2016 के 1.67 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर पिछले दस वर्षों में 6 लाख करोड़ रुपए हो गया है। सतीशन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विजयन का प्रयास अब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित है। सतीशन ने यह भी कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ नीलांबुर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा उसी दिन करेगी, जब उपचुनाव की घोषणा की जाएगी। सतीशन के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने स्पष्ट किया कि माकपा का किसी को बचाने का कोई रुख नहीं है और अब्राहम के खिलाफ जांच आगे बढ़नी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल मुख्यमंत्री, उनकी बेटी और वामपंथी लोगों के खिलाफ झूठा प्रचार करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह शासक वर्ग के आक्रामक हमले का हिस्सा है।

कांग्रेस का आरोप भाजपा-जेडीएस रच रहे साजिश

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) राज्य की कांग्रेस सरकार को किसी भी तरह से हटाना चाहते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। शिवकुमार ने यह भी कहा कि 2028 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख, राज्य में पार्टी की सरकार बनने के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसकी उपलब्धियों को रेखांकित करने और बेंगलुरु ग्रामीण जिले में विभिन्न विकास कार्यों को शुरू करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवकुमार ने कहा, आपने (जनता ने) हमें जो ताकत दी है, उसे हम भूल नहीं सकते। कर्नाटक सरकार आज अपने प्रशासन के लिए जानी जाती है। हमने 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया है और सभी के लिए समान अधिकार और समान जीवन के सूत्र वाक्य के साथ सभी को हम साथ लेकर चल रहे हैं और कार्यक्रमों को लागू कर रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा और जद(एस) से पूछा कि उन्होंने लोगों, महिलाओं, किसानों, युवाओं और रोजगार सृजन के कल्याण के लिए क्या किया है। शिवकुमार ने कहा, वे इस सरकार को किसी तरह हटाना चाहते हैं। कुछ केंद्रीय मंत्री यह सपना देख रहे हैं। लेकिन एक बात याद रखें कि 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस फिर से राज्य की सत्ता में आएगी। उनकी टिप्पणी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भाजपा पर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गिरा कर सत्ता हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद आई है। उन्होंने राज्य में अपनी पार्टी के सदस्यों और नेताओं से सतर्क रहने और आंतरिक मतभेदों को दूर करते हुए एकजुट रहने का आग्रह किया।

सेंथिल बालाजी और पोनमुडी ने तमिलनाडु के मंत्री पद से इस्तीफा दिया, मनो थंगराज की वापसी

तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी और के. पोनमुडी ने एम के स्टालिन की प्रदेश सरकार से इस्तीफा दे दिया है और राज्यपाल ने इसे स्वीकार कर लिया है। राजभवन ने यह जानकारी दी। राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्यपाल आर एन रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन के सिफारिश को मंजूरी दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे सेंथिल बालाजी को बुधवार को उच्चतम न्यायालय ने पद और स्वतंत्रता के बीच चुनाव करने के लिए कहा था और चेतावनी दी थी कि अगर वह मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। वहीं पोनमुडी ने हाल में अपनी शैव-वैष्णव टिप्पणी से बड़ा विवाद पैदा कर दिया था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी, यहां तक कि मद्रास उच्च न्यायालय ने बाद में इस मामले पर कार्यवाही शुरू की थी। हालांकि उन्हें पार्टी के एक प्रमुख पद से हटा दिया गया था लेकिन विपक्षी दलों और अन्य हलकों से उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग की जा रही थी। परिवहन मंत्री एस एस शिवशंकर को बिजली विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था। इसके अलावा, आवास मंत्री एस मुथुसामी को आबकारी और निषेध विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर एस राजकन्नप्पन को उनके मौजूदा दूध और डेयरी विकास विभाग के अलावा पोनमुडी का वन एवं खादी विभाग भी दिया गया है। इसके अलावा राज्यपाल ने पद्मनाभपुरम विधायक टी मनो थंगराज को मंत्रिमंडल में शामिल करने की मुख्यमंत्री की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। मंत्रिमंडल में पहले हुए फेरबदल में उन्हें हटा दिया गया था। मंत्री पद के लिए मनोनीत सदस्य का शपथ ग्रहण सोमवार शाम छह बजे होगा।

सिद्धरमैया के बयान पर भाजपा का कोहराम

पहलगाम आतंकवादी हमले पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री की टिप्पणी को पाकिस्तानी मीडिया में तूल दिए जाने और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा इसकी आलोचना किए जाने के बीच सिद्धरमैया ने स्पष्ट किया कि उन्होंने युद्ध के लिए पूरी तरह से मना नहीं किया है, बल्कि उनका मतलब यह था कि युद्ध तभी होना चाहिए जब यह अपरिहार्य हो, क्योंकि यह समाधान नहीं है। सिद्धरमैया ने पहलगाम हमले के संबंध में कहा था कि युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया कराना केंद्र सरकार का दायित्व था। मुख्यमंत्री ने अपना यह रुख दोहराया कि इस संबंध में खामियां रहीं और इस घटना को रोकने में खुफिया एजेंसियां विफल रहीं। सिद्धरमैया ने कहा, युद्ध की जरूरत नहीं है, इसका मतलब है कि अगर अपरिहार्य हो तो ही युद्ध होना चाहिए...। युद्ध से कोई समाधान नहीं निकल सकता। मैंने युद्ध के लिए मना नहीं किया है। जब मुख्यमंत्री से कहा गया कि पाकिस्तानी मीडिया उनके बयान को तूल दे रहा है तो उन्होंने कहा, मैंने पाकिस्तान के साथ युद्ध के लिए मना नहीं किया। मैंने जो कहा, वह यह कि युद्ध कोई समाधान नहीं है। कश्मीर में बहुत से पर्यटक जाते हैं, इसलिए वहां सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए थी। सुरक्षा मुहैया कराना किसकी जिम्मेदारी है? यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। मैंने कहा कि यह विफलता है। बाद में रविवार को बेंगलुरु ग्रामीण विकास जिले में विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और यदि अपरिहार्य हो तो ही भारत को पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई शुरू करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैसूर में कल पत्रकारों द्वारा युद्ध की आवश्यकता के बारे में पूछे जाने पर मैंने कहा था कि अभी युद्ध की आवश्यकता नहीं है, लेकिन आतंकवाद को जड़ से खत्म करना होगा और लोगों को सुरक्षा देनी होगी। भारत बुद्ध की भूमि है। हम शांतिप्रिय लोग हैं और हम किसी के साथ अनावश्यक रूप से युद्ध नहीं करेंगे।

दुश्मन देश की कठपुतली की तरह काम कर रहे कुछ

लोग विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धरमैया पर एक दुश्मन देश की कठपुतली की तरह काम करने का आरोप लगाया, वह भी ऐसे समय में जब देश बहुत संवेदनशील स्थिति का सामना कर रहा है और सीमा पर युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री के बयान की निंदा करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने उनसे देश की जनता से माफी मांगने और अपना आचरण सुधारने का आग्रह किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजएंद्र ने कहा कि लोग जानते है कि सिद्धरमैया अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकते है, लेकिन जब मामला देश का हो, तो उनका यह कहना कि युद्ध की कोई जरूरत नही है कतई सही नही है, इसलिए उन्हे माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा झूठ फैलाने में व्यस्त : सिद्धरमैया

भाजपा की जनाक्रोश यात्रा को निराधार और झूठ का पुलिंदा बताते हुए सिद्धरमैया ने दावा किया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी है। उन्होंने दावा किया, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम होने के बावजूद केंद्र ने गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी है। देश में महंगाई के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिम्मेदार है। इस बीच, राज्य में मेरे नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने न केवल विकास कार्यों को कार्यान्वित किया है, बल्कि योजनाओं की गारंटी भी दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा जनता के समर्थन के बिना हमेशा पिछले दरवाजे से सत्ता में आई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा बड़ी चुनौती

"हाल ही में बेंगलुरु में आयोजित वर्ल्ड रूरल हेल्थ समिट में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, नेपाल और श्रीलंका के डॉक्टरों ने इन्हीं समस्याओं और इनके संभावित समाधान पर चर्चा की थी। आमतौर पर चिकित्सा सम्मेलन डॉक्टरों तक सीमित रहते हैं और इनमें नर्सों तथा जन स्वास्थ्यकर्मियों को शामिल नहीं किया जाता। दाइयों की तो बात ही छोड़िए। लेकिन इस ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलन की शुरुआत नर्सों और दाइयों से की गई।

पूरे विश्व में ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याएं लगभग एक जैसी ही होती हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्या सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। भारत में हमेशा गावों में बीमारियों के ठीक से इलाज न होने पर लोगों के मृत हो जाने की खबरें आना आम है। विकासशील और विकसित देशों में बहुत सारे अंतरों के बीच कुछ समानताएं भी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता लगभग पूरी दुनिया में एक सी ही है। आमतौर पर संसाधन शहरों में केंद्रीकृत हैं और परिवहन, संचार की समस्या के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की कमी सभी देशों में चुनौती है। भारत में, जहां ग्रामीण स्वास्थ्य समस्याएं गंभीर हैं, युवा डॉक्टरों को गांवों की कठिनाइयों से परिचित कराने के लिए पहल शुरू हुई है। इस वर्ष अक्टूबर में उदयपुर के पास इसवाल गांव में ग्रामीण संवेदनशीलता कार्यक्रम (आरएसपी) आयोजित होगा, जिसमें युवा डॉक्टर ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के जीवन और संघर्षों को समझेंगे। हाल ही में बेंगलुरु में आयोजित वर्ल्ड रूरल हेल्थ समिट में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, नेपाल और श्रीलंका के डॉक्टरों ने इन्हीं समस्याओं और इनके संभावित समाधान पर चर्चा की थी। आमतौर पर चिकित्सा सम्मेलन डॉक्टरों तक सीमित रहते हैं और इनमें नर्सों तथा जन स्वास्थ्यकर्मियों को शामिल नहीं किया जाता। दाइयों की तो बात ही छोड़िए। लेकिन इस ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलन की शुरुआत नर्सों और दाइयों से की गई। दाइयों की गर्भावस्था, प्रसव, प्रसवोत्तर काल में महत्वपूर्ण भूमिका रहती हैं, खासकर निम्न आय वाले देशों में। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2024 के आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में लगभग 2.9 करोड़ नर्सें और 22 लाख दाइयां हैं। संगठन का अनुमान है कि दुनिया 2030 तक 45 लाख नर्सों और 3.1 लाख दाइयों की कमी से जूझ रही होगी। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के लिए यह एक गंभीर चिंता है। दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं और कवरेज तक पहुंच की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में 56 प्रतिशत तक है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 22 प्रतिशत जनसंख्या तक सीमित है। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की 2015 की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में 1.03 करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। इनमें से दो-तिहाई ग्रामीण क्षेत्रों में चाहिए। खासकर अफ्रीका महाद्वीप में ग्रामीण जनसंख्या का 77 प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित है। लैटिन अमरीकी देशों में 24 और एशिया व प्रशांत क्षेत्र की 52 फीसदी ग्रामीण आबादी स्वास्थ्य सेवा कवरेज से वंचित है। यूरोप भाग्यशाली है, जहां ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों की शत-प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य सेवाओं से आच्छादित है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कश्मीरियों को नहीं पसंद पाकिस्तानियों का दखल

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम में गत सप्ताह जिस तरह मौत का तांडव मचा, जब आतंकवादियों ने पहचान के आधार पर छांट-छांट कर सैलानियों को गोलियों का शिकार बनाया, उससे किसी सख्त से सख्त दिल तक की रीढ़ में सिहरन दौड़ जाए। इन पर्यटकों में अधिकांश भारत के छोटे शहर जैसे कि शिवमोगा, पनवेल, विशाखापट्टनम, नेल्लोर, थाणे, करनाल, हैदराबाद, भावनगर, लोअर सुबानगिरी के ताजांग गांव, कोझीकोड जैसी जगहों से कश्मीर घूमने आए थे। जन्म से ही हमें बताया जाता है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। अगर 2008 के मुंबई हमलों का उद्देश्य भारत के वित्तीय राजधानी को पंगु करना और इस तरह भारत को अपने घुटनों पर लाना था, तो बैसरन के अपराधियों का संदेश और भी स्पष्ट है कि मुस्लिम बहुल कश्मीर को सामान्य बनाने की कोशिश न की जाए, जो कि 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' का हृदयस्थल है और यह फलसफा जितना जायज विभाजन के वक्त था, उतना ही आज भी है। हिंदू और मुसलमान अलग-अलग हैं और उन्हें पृथक ही रहना होगा।

इसलिए एक पल के लिए भी यह मत सोचिएगा कि कन्नड़, मलयाली, महाराष्ट्रीयन, गुजराती और हरियाणवी कश्मीर के मैदानों में मनमाफिक विचरेंगे और झूठमूठ मान लेंगे कि वे स्विट्ज़रलैंड में सैर कर रहे हैं। हालांकि मानने की बात कि यह इलाका स्विट्जरलैंड से कहीं ज्यादा खूबसूरत है- सिर्फ इसलिए कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है और इसके वर्तमान को नया स्वरूप प्रदान करना चाहती है।

लेकिन अगर आप इस बारे में विचार करें, तो बैसरन का संदेश वास्तव में काफी अलग है। जिस तरह से कश्मीरी लोग इस नृशंस नरसंहार की निंदा करने के लिए उठ खड़े हुए हैं, उमर अब्दुल्ला से लेकर टट्टू की सवारी करवाकर रोजी-रोटी कमाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार तक, जिसने एक आतंकवादी के हाथ से बंदूक छीनने की कोशिश की और आतंकी ने उसे मार डाला। इससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि हफ्ते का दिन कोई भी हो, कश्मीरी आवाम अलगाववाद के प्रयोजन को बढ़ावा देने वाले ढोंगियों की बजाय शांति बनाए रखने को तरजीह देना चाहता है। जब से समूची मुस्लिम बहुल घाटी में 'आजादी' के नारे गूंजने के बाद कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था और बाद के तमाम सालों में विद्रोही गतिविधियां जारी रहीं, 35 वर्षों में यह पहली बार है जब कश्मीर के मुसलमान एक बार फिर से तथाकथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के मलबे पर थूक रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने यह 1947 में किया था, जिसने घुसपैठिए भेजने वाला नव-स्वतंत्र पाकिस्तान को नाराज कर डाला। फिर भारतीय सेना को कारगिल की चोटियों पर काबिज हुए घुसपैठियों की पहली सूचना देकर उन्होंने 1999 में भी यही किया। आज फिर से वही कर रहे हैं। यह सच है कि 2019 में अनुच्छेद-370 को बहुत ही असहज तरीके से हटाया गया, जिसके कारण बहुत लोगों को कर्फ्यू के कारण लंबे समय तक अपने ही घरों में कैद रहना पड़ा था। साथ ही, संवैधानिक रूप से गारंटी के रूप में प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन का आक्षेप है। लगा कि आम कश्मीरी के पास खुलकर सांस लेने की जगह बहुत कम बची। लेकिन, अंततः मांएं और बच्चे पार्कों में बेधड़क बैठकर दिन भर की घटनाओं पर गप-शप करने की साधारण किंतु कीमती आजादी का अनुभव कर पाए। बच्चे फिर से स्कूल जाने लगे और स्कूल की दीवारें इतनी छोटी हैं कि आप उन्हें अंदर फुटबॉल खेलते हुए देख सकते हैं। श्रीनगर में झेलम के तट पर काले हिजाब में महिलाएं पुरुष साथियों के साथ बैठकर आइसक्रीम का लुत्फ लेते दिखाई देती हैं। शेष हिंदुस्तान अमीर खुसरो की जन्नत की ओर उमड़ने लगा, पिछले साल दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। इन दिनों, आत्म-सम्मान, स्वायत्तता और श्रीनगर-जम्मू और दिल्ली के बीच अक्सर तनावपूर्ण संबंधों को लेकर चलने वाली

बहस पर ध्यान कुछ हटा हुआ है। फिलहाल जिस मुद्दे पर बहसें होती रहती हैं और जिस पर चर्चा घूम फिर कर वहीं आ जाती है। उसकी वजह मुख्यतः इस तथ्य पर है कि शांतिपूर्ण चुनाव के सात महीने बाद भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया। अब जब राज्यवासी भी देश के बाकी हिस्सों के साथ शोक मना रहे हैं, कश्मीरी लोग पाकिस्तानियों से कह रहे हैं कि न सिर्फ वे अपने काम से मतलब रखें, बल्कि उनसे दूर रहें और अकेला छोड़ दें।

पाकिस्तान के भीतर की प्रतिक्रिया पर भी ध्यान दें। उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार को भारत के इस आरोप का बचाव करने के लिए विदेशी मीडिया के सामने उतारा गया कि नरसंहार करने वाले आतंकवादी पाकिस्तानी हैं। आरोप नकारने को उन्होंने यह कहकर समाप्त किया कि असली मुद्दा यह है कि 'कश्मीर प्रश्न' एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है और इसे 1949 के संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए।

समग्र नीति अपनाने से ही समस्या का समाधान

सुरेश सेठ

बैसाखी के बाद, जब गेहूं की फसल काटी जाती है, तो खेतों में बची नाड़ को निपटाने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस बार पंजाब सरकार ने फसलों के अवशेष जलाने पर पूरी तरह से अंकुश लगाने का संकल्प लिया है। इस उद्देश्य के लिए 500 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है, और पिछले साल से अधिक प्रभावी नाड़ जलाने पर नियंत्रण के अभियान चलाए जाएंगे। अब किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें अधिक सब्सिडी पर उपलब्ध करवाई जाएंगी और फसल अवशेष प्रबंधन के उचित उपाय किए जाएंगे। इसके तहत सीमांत किसानों के लिए नाड़ प्रबंधन मशीनों को किराए पर उपलब्ध कराया जाएगा।

मौसम के बदलाव के साथ देश की राजधानी में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो जाती है, जिससे घुटन और संत्रास का माहौल बन जाता है। इसका एक कारण खेतों में गेहूं की कटाई के बाद बची पराली को जलाना है। इस प्रक्रिया में निकलने वाला धुआं और घुटन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

पंजाब और हरियाणा के विशेषज्ञों का कहना है कि फसलों के अवशेष जलाना केवल प्रदूषण का एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि बढ़ती हुई अराजक यांत्रिकता ने भी महानगरों का जीवन विषाक्त और घुटन भरा बना दिया है। इस यांत्रिकता से निपटने के लिए विस्तृत रणनीतियों की आवश्यकता है। असल में, पंजाब और हरियाणा के सीमांत किसान के पास फसल चक्र के चलते कृषि अवशेषों को नष्ट करने का समय नहीं होता। वे न तो निस्तारण के लिए मशीनें खरीदने के लिए तैयार होते हैं, न ही मशीनों को किराए पर लेने की उत्सुकता दिखाते हैं। किसान के लिए सबसे आसान तरीका यह होता है कि फसल के अवशेष जलाकर समय बचाया जाए। इन दिनों पंजाब-हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में अवशेष जलाने के दृश्य आम हैं। किसान इसे सुविधाजनक पाता है और अतिरिक्त खर्च से बचता है। अब सवाल यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या होगा।

बैसाखी के बाद, जब गेहूं की फसल काटी जाती है, तो खेतों में बची नाड़ को निपटाने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस बार पंजाब सरकार ने फसलों के अवशेष जलाने पर पूरी तरह से अंकुश लगाने का संकल्प लिया है। इस उद्देश्य के लिए 500 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है, और पिछले साल से अधिक प्रभावी नाड़ जलाने पर नियंत्रण के अभियान चलाए जाएंगे। अब किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें अधिक सब्सिडी पर उपलब्ध करवाई जाएंगी और फसल अवशेष प्रबंधन के उचित उपाय किए जाएंगे। इसके तहत सीमांत किसानों के लिए नाड़ प्रबंधन मशीनों को किराए पर उपलब्ध कराया जाएगा। जो किसान इन मशीनों को खरीदना चाहें, उन्हें भारी सब्सिडी दी जाएगी। व्यक्तिगत रूप से किसानों को इन मशीनों की खरीद पर 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, जबकि सहकारी समितियों और ग्राम पंचायतों को 80 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी।

यह पहल पंजाब सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे किसान भी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे और पर्यावरण पर होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

पंजाब के कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले साल फसल अवशेष प्रबंधन अभियान काफी सफल रहा, जिसमें 70 प्रतिशत सफलता हासिल की गई। हालांकि, यह सफलता पिछले वर्षों की तुलना में काफी बेहतर थी, लेकिन अवशेष जलाने को गंभीर अपराध न मानने के कारण इसे पूरी तरह से रोकने में सफलता नहीं मिली। कृषि विभाग का कहना है कि खेतों में अवशेष जलाने के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जरूरत है, और हर मामले में दोषियों को दंड मिलना चाहिए, ताकि यह समस्या स्थायी रूप से सुलझ सके। पिछले साल सरकार ने 17,600 मशीनों की उपलब्धता और 1331 कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना की थी, जिससे किसानों को फसलों के अवशेष निपटाने के लिए आसानी से उपकरण मिल सकें। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह उपलब्धि पर्याप्त है? पंजाब और हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्यों में मशीनों की सुलभता और कम किराए पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है, ताकि फसलों के अवशेष जलाने की समस्या को सुलझाया जा सके। इन दिनों वायु प्रदूषण बहुत हद तक पुराने वाहनों, कोयले के गलत उपयोग और यांत्रिकता के कारण उत्पन्न हो रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि इस स्थिति को एक व्यापक दृष्टिकोण से समझा जाए। किसानों को जागरूक करने की जरूरत है कि वे नाड़ को खेतों में दबाकर अपनी उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं।

लेकिन वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट का समाधान केवल फसलों के अवशेष जलाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए एक व्यापक और सशक्त तंत्र की आवश्यकता है। जो एक तरफ खेतों में फसलों के अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करे, वहीं दूसरी तरफ शहरी क्षेत्रों में बढ़ते यांत्रिक प्रदूषण और धुएं की कालिमा को भी नष्ट करे। कभी-कभी समस्या को आंशिक रूप से हल करने से उसका असर आधा-अधूरा होता है। इसलिए, जब फसलों के अवशेष जलते हैं तो सारा दोष किसान को ही दिया जाता है और शहरी प्रदूषण की उपेक्षा कर दी जाती है। इस बार यदि हम संतुलित नीति के साथ इस प्रदूषण और घुटन का मुकाबला करने में सफल होते हैं, तो हम इस प्रदूषण नियंत्रण अभियान को सार्थक मान सकते हैं।

भूलकर भी न रखें बच्चे के टिफिन में ये चीजें

बच्चे अक्सर खाने को लेकर आनाकानी करते हैं। घर पर होने पर अभिभावक बच्चों को समझाकर खाना खिला देते हैं लेकिन जब बच्चा स्कूल जाता है तो माता पिता लंच के समय उनके साथ नहीं होते हैं। सुबह उठकर मां बच्चे के लिए नाश्ता और लंच बॉक्स पैक करती हैं। उत्साह के साथ मां बच्चे के लिए टिफिन पैक करती हैं, जब बच्चा उसे उतने उत्साह से नहीं खाते और लंच वापस आ जाता है। वैसे तो हर मां अपने बच्चे के लिए लंच में स्वादिष्ट व्यंजन पैक करती हैं, लेकिन कई बार गलत चीजें टिफिन में पैक करने से बच्चे लंच को मन से नहीं खाते हैं। ऐसे में हर अभिभावक को बच्चे के लिए स्कूल टिफिन पैक करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। भूल से भी टिफिन में ऐसी पांच चीजें न रखें जो बच्चे की भूख को ही खत्म कर दें या उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक बन जाएं।

मैगी

स्कूल के लिए बच्चे का टिफिन पैक कर रहे हैं तो मैगी लंच बॉक्स में न रखें। भले ही बच्चे मैगी खाना पसंद करते हैं। लेकिन मैगी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। साथ ही ब्रेकफास्ट और लंच के बीच तीन से चार घंटे का समय होता है। इतनी अवधि में बच्चे काफी भूखे हो जाते हैं। ऐसे में मैगी कुछ वक्त के लिए तो उनकी भूख खत्म कर देगी लेकिन जल्द ही उन्हें फिर से भूख लग जाएगी। टिफिन में रखी मैगी लंच तक ठंडी हो जाती है, और इस तरह का खाना ठंडा अच्छा नहीं लगता है।

दूध

बच्चे के लंच के लिए बोतल में दूध पैक करके न दें। रखा हुआ दूध सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। सुबह से ही बंद डिब्बे में पैक दूध का स्वाद और पौष्टिकता खत्म हो सकती है। स्कूल में दूध का सेवन असुविधाजनक भी हो सकता है। हमारे रोजमर्रा के जीवन में दूध हमारे भोजन का एक अहम हिस्सा है। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है क्योंकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं।

अधिक तला-भुना खाना न दें

अधिक तला भुना खाना सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। तैलीय खाने में पौष्टिकता न के बराबर होती है। वसा की मात्रा अधिक होने से बच्चे को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। वहीं अधिक तैलीय भोजन खाते समय बच्चे की यूनिफार्म भी गंदी हो सकती है।

रात का खाना न दें

अक्सर मां रात में बची सब्जी या खाने को सुबह जल्दी के कारण या फिर बच्चे का पसंदीदा होने के कारण टिफिन में पैक कर देते हैं। लेकिन टिफिन में रात का बचा खाना न पैक करें। गर्मी के दिन हैं, लंच के समय तक व्यंजन का स्वाद और पौष्टिकता खत्म हो जाती है। साथ ही खाना खराब होने की भी संभावना रहती है। इससे फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है। और इससे बच्चों की तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो सकती है ।

कटे हुए फल न दें

वैसे तो फल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है, लेकिन अगर स्कूल के बच्चों के लंच बॉक्स में फल पैक करके दे रही हैं तो कुछ फलों को काटकर न रखें। जैसे सेब, केला या अंगूर जैसे फलों को काटकर टिफिन में पैक नहीं करना चाहिए। दरअसल कटे हुए फलों को स्टोर करने से उनमें मौजूद पोषक तत्वों में कमी आ सकती है और स्वास्थ्य के लिए यह उतने फायदेमंद नहीं रह पाते हैं। और ये सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकते हैं।

हंसना मना है

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पिता: पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा: हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता: कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा: फेसबुक।

पत्नी: सुनो मेरे मुंह में मच्छर चला गया अब क्या करूं? पति: पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

एक गांव में किसी बुजुर्ग के मर जाने से स्कूल में छुट्टी हो गयी, स्कूल से आते वक्त बच्चों ने 2 बुजुर्गो को देखा तो एक बोला, देखो, दो छुट्टी आ रही है?

कहानी | बाजीराव पेशवा ने दिखाई विनम्रता

बाजीराव पेशवा मराठा सेना के प्रधान सेनापति थे। एक बार वे किसी युद्ध में विजयी होकर सेना सहित राजधानी लौट रहे थे। मार्ग में उन्होंने मालवा में पड़ाव डाला। भूख-प्यास से सभी बेहाल थे, किंतु खाने के लिए अब उनके पास पर्याप्त सामग्री नहीं थी। यह देखकर बाजीराव ने अपने एक सरदार को बुलाकर किसी खेत से फसल कटवाकर छावनी में लाने का आदेश दिया। सरदार सैनिकों की एक टुकड़ी लेकर पास के गांव में पहुंचा और एक किसान को सबसे बड़े खेत पर ले जाने को कहा। किसान को लगा कि यह कोई अधिकारी है, जो खेतों का निरीक्षण करने आया है। बड़े खेत पर जाते ही सरदार ने सैनिकों को फसल काटने का आदेश दिया। यह सुनते ही किसान चकरा गया। उसने हाथ जोड़कर कहा कि महाराज! आप इस खेत की फसल न काटें। मैं आपको दूसरे खेत पर ले चलता हूं।' सरदार और उसके सैनिक किसान के साथ चल पड़े। वह उन्हें कुछ मील दूर ले गया और वहां एक छोटे-से खेत की ओर संकेत कर कहा, 'आपको जितनी फसल चाहिए, यहां से काट लीजिए।' सरदार ने नाराज होते हुए कहा कि यह खेत तो बहुत छोटा है। फिर तुम हमें यहां इतनी दूर क्यों लाए?'तब किसान नम्रता से बोला, 'वह खेत किसी दूसरे का था। मैं अपने सामने उसका खेत कैसे कटता देखता? यह खेत मेरा है, इसलिए आपको यहां लाया।' किसान का बड़ा दिल देखकर सरदार का गुस्सा ठंडा हो गया। उसने फसल नहीं कटवाई और बाजीराव को सारी बात बताई। तब बाजीराव ने अपनी गलती सुधारते हुए किसान को उसकी फसल के बदले पर्याप्त धन दिया और फसल कटवाई। नम्रता, बड़प्पन को दर्शाती है।

कथा का सार- वस्तुतः ओहदेदार होकर भी विनम्रता रखना ही शेष समाज की दृष्टि में संबंधित को श्रद्धेय बनाता है।

7 अंतर खोजें

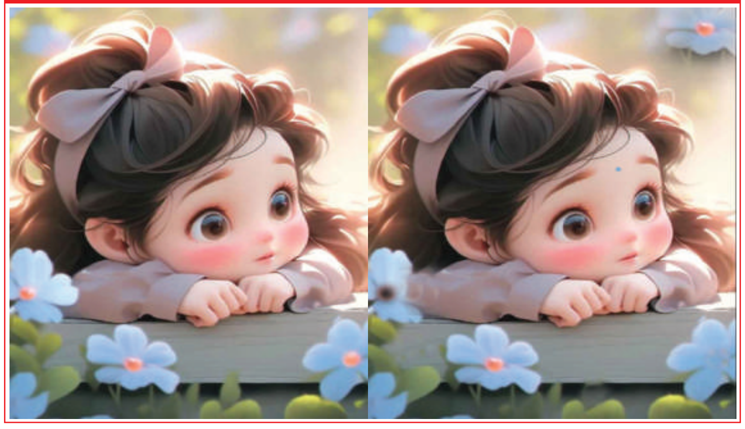

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। धन प्राप्ति सुगम होगी। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी।

मकर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मीन बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

आमिर महाभारत के लिए मुझसे मिले थे : विजयेंद्र

आमिर खान बतौर अभिनेता परदे से दूर हैं। मगर, निर्माता के रूप में सक्रिय हैं और लगातार दिलचस्प प्रोजेक्ट बना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने महाभारत पर आधारित फिल्म के निर्माण की अपनी योजना के बारे में बात की। अपने जन्मदिन के अवसर पर भी उन्होंने इस ड्रीम प्रोजेक्ट का जिक्र किया था। आमिर खान इस फिल्म के सिलसिले में दिग्गज पटकथा लेखक विजयेंद्र प्रसाद से भी मिले। इसका खुलासा खुद विजयेंद्र प्रसाद ने हाल ही में किया है। बजरंगी भाईजान और बाहुबली जैसी फिल्मों की पटकथा कसने वाले दिग्गज निर्देशक और राइटर विजयेंद्र प्रसाद ने हाल ही में खुलासा किया कि मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान महाभारत पर फिल्म बनाने के सिलसिले में उनसे बात करने पहुंचे थे। आमिर खान एक आइडिया लेकर पटकथा लेखक से मिलने पहुंचे थे। कुछ दिन पहले ही आमिर खान ने कहा था कि वे महाभारत प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए उत्साहित हैं। अब मशहूर भारतीय लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने खुलासा किया कि आमिर खान ने अपने आगामी प्रोडक्शन वेंचर के लिए उनसे संपर्क किया। विजयेंद्र प्रसाद ने बताया, कुछ समय पहले, आमिर खान महाभारत बनाने का विचार लेकर मेरे पास आए थे। इस पर विजयेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर आगे क्या हुआ और किस स्थिति में है, उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। विजयेंद्र प्रसाद ने आगे कहा कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली के साथ पौराणिक भारतीय महाकाव्य पर काम करना चाहते हैं। उन्होंने खुलास किया कि उनका अंतिम लक्ष्य महाभारत बनाना है। बता दें कि विजयेंद्र प्रसाद मशहूर निर्देशक एसएस राजामौली के पिता हैं। एसएस राजामौली भी महाभारत पर फिल्म बनाने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं और इस पर वे तैयारी कर रहे हैं। महाभारत फिल्म बनाना उनका भी ड्रीम प्रोजेक्ट है। हालांकि, वह यह भी कह चुके हैं कि अभी इस फिल्म को बनने में वक्त लगेगा। आमिर खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म सितारे जमीन पर है।

सोनल चौहान ने की अनुष्का की तारीफ

इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' में नजर आईं अभिनेत्री सोनल चौहान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में सोनल चौहान आईपीएल का एक मैच देखने भी पहुंची थीं। अब सोनल चौहान ने अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की तारीफ की है। साथ ही उन्होंने अनुष्का और उनके पति भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की बॉन्डिंग की भी तारीफ की है। सोनल का मानना है कि विराट कोहली के अध्यात्म की तरफ रुझान में अनुष्का का एक बहुत बड़ा रोल है। फिल्मीज्ञान के साथ हालिया बातचीत में सोनल चौहान ने विराट कोहली के आध्यात्मिक सफर और उनके जीवन में अनुष्का शर्मा के सकारात्मक प्रभाव को लेकर बात की। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि अगर वो विराट कोहली से अचानक टकरा जाएं तो क्या बात करेंगी। इस पर सोनल चौहान ने कहा, मैं कहूंगी, जय श्रीराम और हर हर महादेव, क्योंकि वह अभी बहुत धार्मिक हो रहे हैं। मैंने उनकी बहुत सी रील देखी हैं, जिसमें वह अपने आध्यात्मिक पक्ष को तलाशते हैं। अभिनेत्री ने आगे विराट कोहली के आध्यात्मिक सफर और अध्यात्म को लेकर उनके अंदर आए अचानक बदलाव पर बात की। उन्होंने इसका श्रेय विराट की पत्नी अनुष्का को देते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह सही महिला है। उनके जीवन में सही महिला निश्चित रूप से उनके आध्यात्मिक पक्ष को सामने ला रही है। जब आप सही लोगों, सकारात्मक लोगों से घिरे होते हैं, तो यह आपके व्यक्तित्व को दर्शाता है। मुझे लगता है कि वह उनके जीवन में एक शांत प्रभाव है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने साल 2017 में शादी की थी। अनुष्का से शादी के बाद विराट के अंदर काफी बदलाव देखा गया। उनका आध्यात्मिक पक्ष और भी बढ़ गया है। कपल को अक्सर वृंदावन के आश्रमों सहित अन्य आध्यात्मिक स्थानों पर जाते और गुरुओं से आशीर्वाद लेते देखा गया है। उन्हें अपने बच्चों वामिका और अकाय के साथ कीर्तन में भी देखा गया है। भगवान हनुमान के प्रति विराट की भक्ति भी कई मौकों पर दिखी है। 2008 में फिल्म 'जन्नत' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री सोनल चौहान अंतिम बार 2024 में आई फिल्म 'दर्द' में नजर आई थीं। इसके अलावा वो बी प्राक के एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं।

बोलीं- उनकी वजह से विराट में आया आध्यात्मिक बदलाव

मैं साउथ फिल्मों के लिए सही हूं: नायरा

मशहूर टीवी अभिनेत्री नायरा बनर्जी साउथ सिनेमा का भी बड़ा नाम हैं। नायरा ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि जब वे फिल्मी दुनिया में आईं तो कास्टिंग डायरेक्टर्स उन्हें साउथ फिल्मों में जाने का सुझाव देते। नायरा बनर्जी का कहना है कि कास्टिंग डायरेक्टर अक्सर उनसे कहते थे कि वे साउथ की फिल्मों के लिए एकदम सही हैं। उन्होंने कहा, ये लोग बोलते कि आपका चेहरा और फिगर साउथ की फिल्मों वाला है। नायरा ने आगे बताया कि शुरुआत में कास्टिंग डायरेक्टर्स ने उनके चेहरे और शारीरिक बनावट के चलते उन्हें साउथ की फिल्मों के लिए परफेक्ट पाया। नायरा ने आगे कहा, उन दिनों में इतनी पतली नहीं थी। ये लोग बोलते कि आपके फिगर के हिसाब से साउथ की फिल्में हैं। मैंने कहा कि मैं यह नहीं करना चाहती। मैंने कभी साउथ की कोई फिल्म नहीं देखी। एक कास्टिंग डायरेक्टर ने श्रीदेवी और दूसरी दिग्गज अभिनेत्रियों के नाम लिए और बताया कि साउथ इंडियन फिल्में भी अच्छी होती हैं। नायरा ने आगे कहा कि वे जब घर गईं और अपने माता-पिता के सामने यह बात रखी तो उनके पिता ने साफ मना कर दिया। वहीं, मां ने भी सलाह दी कि वे इस बारे में भूल जाएं, क्योंकि वे ऐसे किसी इंसान को नहीं जानते थे जो गाइड करे। साउथ फिल्मों को लेकर नायरा ने कहा कि साउथ सिनेमा में प्रतिस्पर्धा है और जब उन्हें बड़ी फिल्मों और लीड रोल के ऑफर मिलने लगे, तो उन्होंने अपनी पढ़ाई पर फोकस करने के लिए उन्हें रिजेक्ट कर दिया। लोग उनसे कहते थे कि वे अभिनय के बजाय पढ़ाई को प्राथमिकता दे रही हैं। उनके फैसलों पर सवाल उठाते थे।

अभिनेत्री का खुलासा- शुरुआत में कास्टिंग डायरेक्टर्स ऐसा देते थे सुझाव

आज भी जिंदा हैं डायनोसॉर! रह रहे हैं दूसरे ग्रहों पर

आपने अब तक हॉलीवुड की तमाम फिल्मों में इस बात की कल्पना देखी होगी कि डायनोसॉर कितने बड़े होते थे और वो एक झटके में क्या-क्या कर सकते थे ये तो कोरी कल्पनाएं हैं लेकिन धरती पर भी तमाम जगहों पर इस विशालकाय जानवर के पैरों के निशान मिलने का दावा किया जाता रहा है अब इस जीव को लेकर एक अजीबोगरीब दावा किया गया है एक एक्सपर्ट की ओर से, जो बिल्कुल अलग ही है। ऑस्ट्रियन एस्ट्रोनॉमर लिसा काल्टेनेगर का दावा है कि जिन डायनोसॉर्स के कदमों के निशान हम आज तक धरती पर ढूंढ रहे हैं, वो किसी और ग्रह पर जीवित हो सकते हैं उनका कहना है कि दूसरे ग्रहों पर मौजूद ऑक्सीजन की वजह से ऐसा हो सकता है कि वहां डायनोसॉर मौजूद हों इस रिपोर्ट को वेबसाइट पर पब्लिश किया गया है। लिसा की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ब्रह्मांड में धरती ऐसी जगह है, जो रहने और विकास करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं धरती पर ऑक्सीज़न का लेवल 10 से 35 फीसदी तक पहुंच गया उन्होंने कहा है कि धरती के हल्के फिंगरप्रिंट के जरिये और भी ऐसे प्लानेट ढूंढे जा रहे हैं, जहां आबादी रही है ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि ऐसे प्लानेट्स का भी पता चल सकेगा, जहां और भी बड़ी और कॉम्प्लेक्स लाइफ के बारे में पता चल सके अगर ऐसे ग्रह के बारे में पता चल जाएगा, जहां धरती की तरह ऑक्सीजन मिल सकती है तो खोज थोड़ी आसान हो जाएगी अगर उस परिस्थिति में डायनोसॉर्स ने सर्वाइव किया था, तो क्या पता वहां और भी डायनोसॉर ढूंढे जाने का इंतज़ार कर रहे हों, इस स्टडी को Rebecca Payne of Cornell University के साथ मिलकर किया गया है लिसा के मुताबिक हमारे पास पृथ्वी का जो जियोलॉजिकल पीरियड है, वो धरती के इतिहास का सिर्फ 12 फीसदी हिस्सा है इसके पहले की चीजें हमारी जानकारी से बाहर हैं ऐसे में ये अपने पीछे तरह-तरह के सवाल छोड़ जाता है।

अजब-गजब | प्रेग्नेंट हुई कैदी, तो सजा कर दी माफ!

देश की आबादी बढ़ाने का है अजीबोगरीब तरीका!

पिछले दिनों चीन से जुड़ी एक खबर ने सभी को चौंका दिया था क्योंकि चीन में दो की जगह तीन बच्चों को पैदा करने की पॉलिसी सरकार ने बनाई थी आबादी घटने की वजह से ऐसा कई देशों में होता रहा है कि वो अपने यहां के नागरिकों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करते हैं पर इन दिनों एक देश के काफी चर्चे हैं जहां के चर्चित नेता ने आबादी बढ़ाने का ऐसा अजीबोगरीब तरीका सुझाया है, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। डेली स्टार और न्यूजवीक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार रूसी प्रशासन ने अगर वहां के एक चर्चित नेता की बात मान ली, तो वो आबादी बढ़ाने का एक बेहद अजीबोगरीब तरीका अपना सकते हैं दरअसल, रूसी संसद के निचले सदन के सदस्य वैलेरी सेलेजनेव ने देश की गिरती हुई जन्मदर को बढ़ाने के लिए ऐसा तरीका सोचा है कि उसे सुनकर हैरानी होगी। उन्होंने कहा है कि रूसी जेलों में हजारों ऐसी महिलाएं बंद हैं जो किसी बड़े अपराध को कर के नहीं आई हैं ऐसे में इन महिलाओं के साथ सरकार को एक डील करनी चाहिए। नेता ने कहा कि अगर कैदी प्रेग्नेंट होने का भरोसा जताती है तो उसे रिहा कर दिया जाएगा और बच्चे को जन्म देती है तो पूरी सजा माफ कर दी जाएगी वैलेरी के अनुसार सरकार को इस डील के तहत महिला कैदियों को कुछ वक्त के लिए जेल से आजाद करना चाहिए और अगर वो उस वक्त में प्रेग्नेंट हो जाती हैं, तो उनकी पूरी सजा को माफ कर देना चाहिए इस प्रकार ये महिला कैदी देश की आबादी बढ़ाने का काम कर सकती हैं। आपको बता दें कि अक्टूबर 2020 से लेकर सितंबर 2021 के बीच रूस की आबादी में तेजी से गिरावट आई थी यूक्रेन के साथ युद्ध में भी हजारों जवान मारे गए थे। कुछ वक्त पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बर्थ रेट को 15 से बढ़ाकर 17 करने के लिए कई तरह की पॉलिसी का एलान किया था इसके लिए नई माओं को फंडिंग देना, बच्चों की शुरुआती शिक्षा को मुफ्त कर देना कुछ निर्णय थे 2021 में प्रति महिला को होने वाले बच्चों का दर घटकर 149 हो गया था जो पिछले 10 सालों की तुलना में सबसे कम था इस वजह से अब रूस में आबादी बढ़ाने के लिए इस तरह के विकल्पों को चुना जा रहा है।

मोदी ने महंगाई और बेरोजगारी दी : खरगे

» सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होने पर पीएम पर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई और इस पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, तब प्रधानमंत्री उसमें शामिल नहीं हुए। जयपुर में आयोजित संविधान बचाओ रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि जब देश की शान पर हमला हुआ, तब प्रधानमंत्री बिहार में चुनावी भाषण दे रहे थे। सभी दलों के नेता बैठक में आए, लेकिन प्रधानमंत्री नहीं आए। क्या बिहार दूर था? उन्हें आना चाहिए था और योजना के बारे में बताना चाहिए था कि उन्हें हमसे किस तरह की मदद चाहिए।

मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी ने महंगाई और बेरोजगारी दी। ऐसे लोग देश को कमजोर करते हैं। उनका 56 इंच का सीना अब छोटा हो गया है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने तय किया है कि इस मामले में वे सरकार का समर्थन करेंगे क्योंकि देश सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि देश पहले आता है, फिर पार्टी और धर्म। सभी को देश के लिए एकजुट होना चाहिए।

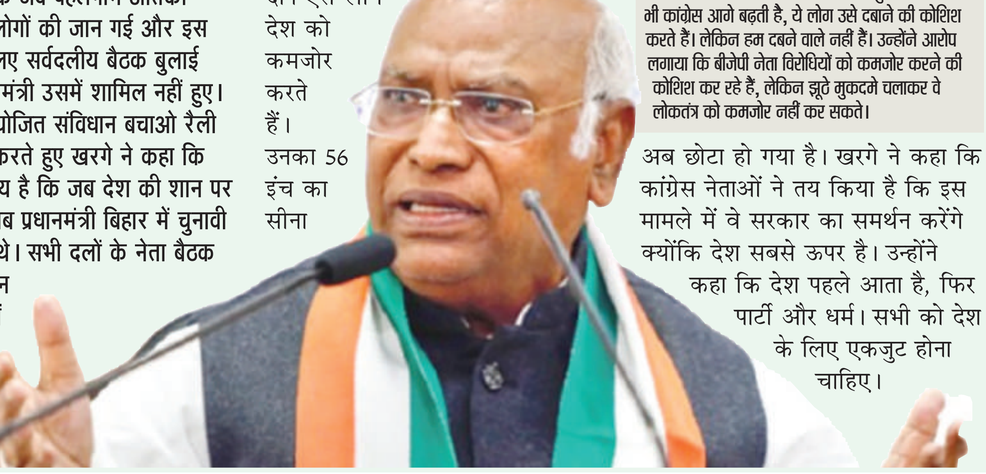

बीजेपी देश को बांटने की बातें करती है

खरगे ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये देश बांटने की बात करते हैं, जबकि कांग्रेस देश जोड़ने की बात करती है। उन्होंने आगे कहा कि इस देश में संविधान सबसे बड़ा है और हमारा लोकतंत्र संविधान के अनुसार चलता है। सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग और कांग्रेस नेताओं पर छापों को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जब भी कांग्रेस आगे बढ़ती है, ये लोग उसे दबाने की कोशिश करते हैं। लेकिन हम दबने वाले नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी नेता विरोधियों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन झूठे मुकदमे चलाकर वे लोकतंत्र को कमजोर नहीं कर सकते।

पाक हमसे किसी समझौते की उम्मीद न रखे : फारूक

» बोले- ऐसी कार्रवाई की जाए ताकि इस तरह के हमले कभी न हों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के कार्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने मानवता की हत्या की है और उन्हें भारत से अपने सिद्धांतों पर समझौता करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को लगता है कि इन हरकतों से हम पाकिस्तान चले जाएंगे तो वो गलतफहमी में न रहें। हम 1947 में उनके साथ नहीं गए थे, तो आज क्यों जाएंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि वे हर बार पाकिस्तान के साथ बातचीत का पक्षधर थे। लेकिन अब उन लोगों को कैसे जवाब देंगे, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।

उन्होंने कहा कि देश चाहता है कि ऐसी कार्रवाई की जाए ताकि इस तरह के हमले कभी न हों। उन्होंने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए भारत की एकता पर जोर दिया। उन्होंने दो राष्ट्र सिद्धांत को खारिज किया और कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी एक हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगा। फारूक ने कहा कि अफसोस है कि हमारा पड़ोसी आज भी यह नहीं समझ रहा है कि उसने मानवता की हत्या की है। उन्होंने कहा कि उस समय दो राष्ट्र सिद्धांत को पानी में फेंक दिया था। आज भी दो राष्ट्र सिद्धांत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे।

पाकिस्तान से बातचीत बहुत जरूरी : सैफुद्दीन सोज

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सैफुद्दीन सोज का बयान सामने आया है। उन्होंने इस घटना को दुखद और अस्वीकार्य बताया। साथ ही कहा कि हर भारतीय को प्रधानमंत्री द्वारा अपनाई गई लाइन को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान पड़ोसी हैं और दोनों देशों के बीच बातचीत के अलावा कुछ भी काम नहीं करेगा। अगर पाकिस्तान कहता है कि वह इसमें शामिल नहीं है, तो हमें अभी के लिए उस तर्क को स्वीकार कर लेना चाहिए और अपनी जांच एजेंसियों पर भरोसा करना चाहिए, जो बेहतर तरीके से जानती होंगी। भारत और पाकिस्तान के बीच जो होगा वह बातचीत से ही होगी। बातचीत और चर्चा। कोई सैन्य समाधान नहीं, कोई हथियार नहीं, कोई तलवार नहीं। मौखिक बातचीत के अलावा कुछ भी काम नहीं करेगा।

सूर्यवंशी की वैभवशाली पारी से जीता राजस्थान

» गुजरात को आठ विकेट से हराकर प्लेऑफ में उम्मीदें रखीं बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार शतकीय पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को आठ विकेट से हरा दिया। सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 47वें मैच में गुजरात ने शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट खोकर 209 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 15.5 में दो विकेट खोकर 212 रन बनाए और 25 गेंदों के शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ राजस्थान ने प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखा है।

राजस्थान ने इस मुकाबले को जीतने के साथ-साथ बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। टीम ने टी20 में सबसे तेजी से हासिल किया 200+ का लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान अंक तालिका में एक स्थान की छलांग लगाकर आठवें पायदान पर आ गई। उनके खाते में छह अंक हो गए और नेट रन रेट -0.349 का हो गया है। वहीं, गुजरात एक स्थान खिसक कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, मुंबई अंक तालिका में बेहतर नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, आरसीबी 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है। गुजरात ने राजस्थान के सामने जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन वैभव और यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान को तेज शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को प्रसिद्ध कृष्णा ने वैभव को आउट कर तोड़ा। यह राजस्थान के लिए किसी भी विकेट के लिए की गई सबसे बड़ी साझेदारी है।

सबसे कम उम्र में लगाया शतक, यूसूफ को भी छोड़ा पीछे

वैभव की उम्र 14 साल 32 दिन है, लेकिन उन्होंने यूसुफ पठान का 15 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव आईपीएल में सबसे तेज शतक (35 गेंद में) लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। 2010 में यूसुफ पठान ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 37 गेंदों पर शतक लगाया था और वह इस टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय थे। उनका यह रिकॉर्ड अब 2025 में टूटा है। यानी वैभव का जब जन्म भी नहीं हुआ था, उस वक्त यूसुफ ने यह कारनामा किया था और अब बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने अपनी उम्र से भी ज्यादा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ओवरऑल आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 30 गेंदों पर शतक लगाया था।

जोन-6 में चला अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान

» तीन ट्रक सामान जब्त

» सुपरवाइजर का वेतन रोका जाएगा, दोषियों को हटाने के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम द्वारा मंगलवार सुबह जोन-6 में अतिक्रमण और गंदगी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान सुबह 6 बजे से घंटाघर से लेकर बालागंज चौराहे तक संचालित हुआ, जिसमें सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान सड़क पर अवैध रूप से व्यवसाय कर रहे वेंडरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। प्रयाग दूध के 100 से अधिक कैरेट जब्त किए गए जो अवैध रूप से रखे गए थे। इसके अलावा 10 टायर और 5 ठेले भी जब्त किए गए। जब्त सामानों को नगर निगम कार्यालय में सुरक्षित रखा गया है।

यह पूरा अभियान घंटाघर से बालागंज चौराहे तक चलाया गया, जिसमें तीन ट्रक सामान जब्त किया गया। अभियान के दौरान क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक राम जीत पांडे, रामचंद्र यादव, राजस्व निरीक्षक ओम प्रकाश यादव, आशीष,कासिम तथा वार्ड 296 के निरीक्षक धर्मदेव उपस्थित रहे। नगर निगम ने आगे भी ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रखने की बात कही है। उक्त अव्यवस्था को गंभीर मानते हुए पांडे को तीनों पकड़े गए कर्मचारियों को तत्काल सेवा से हटाने तथा संबंधित सुपरवाइजर का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि किसी भी अनुशासनहीनता और भ्रष्ट आचरण को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बालागंज चौराहे के पास पकड़े गए दो सफाई कर्मचारी

तीन कूड़ा बीनने वाले कर्मचारी पकड़े गए, ठेले भी जब्त

इस अभियान के दौरान अवैध रूप से कूड़ा बीनने वाले तीन आसामी कर्मचारियों को पकड़ा गया। ये कर्मचारी बिना अनुमति के नगर निगम की छवि को नुकसान पहुंचा रहे थे। उनके ठेले और एकत्र किया गया कूड़ा जब्त कर लिया गया। वहीं बालागंज चौराहे के पास कार्रवाई के दौरान दो सफाई कर्मचारियों को रंगे हाथों पकड़ा गया, जो अवैध रूप से कूड़ा इकट्ठा कर दुकानदारों को बेच रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि ये दोनों कर्मचारी लखनऊ स्वच्छता अभियान से जुड़े हुए हैं और वार्ड मलाही टोला सेकंड में कार्यरत हैं। इनका कूड़ा और ठेला जब्त कर लिया गया। इस लापरवाही पर कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक श्री राम जीत पांडे को निर्देशित किया गया कि लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) के ज़ोनल मैनेजर और क्लस्टर हेड को नोटिस जारी किया जाए, ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर नियंत्रण लगाया जा सके।

पाक को ओवैसी ने लगाई लताड़

» चिढ़े पूर्व पाकिस्तान के उच्चायुक्त बासित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को लताड़ लगाई तो पाक के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित को बड़ी तकलीफ हुई है। उनका कहना है कि वह ओवैसी के बयान से काफी हैरत में हैं, जो अभी तक भाजपा की सरकार पर हिंदुओं और मुसलमानों को लड़ाने के आरोप लगाते थे, अब अचानक से उन्होंने अपनी सियायसत का रुख बदल दिया। बासित बोले ओवैसी प्रेशर में हैं इसलिए ऐसे बयान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, उसमें भारत की डीप स्टेट शामिल है क्योंकि वह वक्फ संशोधन कानून को लेकर देश में मचे बवाल से ध्यान भटकाना चाहते थे। ओवैसी ने महाराष्ट्र परभणी में वक्फ संशोधन कानून पर पब्लिक मीटिंग के दौरान पहलगाम हमले का भी जिक्र किया और पाकिस्तान को खूब लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का वक्त भारत से आधा घंटा पीछे है और खुद वह भारत से आधी सदी पीछे है, उसका मिलिट्री बजट भारत के बराबर भी नहीं है।

4PM के पक्ष में उतरा पूरा समाज

लोगों ने कहा- बहाल किया जाय यूट्यूब चैनल, सच बोलने वालों को कुचल रही मोदी सरकार

» आतंकियों की जगह अपनों को परेशान कर रही भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहले नेहा सिंह राठौड़ के बेबाक बात पर सरकार के सच को छिपाने वाले लोगों द्वारा एफआईआर कराने के बाद अब सरकार के आंख में आंख डालकर सच निकलवाने की हिम्मत रखने वाले देश के लोकप्रिय चैनल 4पीएम के पक्ष में पूरा समाज उतर आया। सोशल मीडिया आम लोगों से लेकर खास लोग सरकार की हरकत से नाराज हैं। और संजय शर्मा द्वारा सरकार से सच पूछने को जायज ठहराया और सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाने को गलत बताया है। कुछ लोगों ने संपादक संजय शर्मा का शुक्रिया भी किया।

एक ने लिखा है कि दरअसल, बात ये है कि श्री मोदी, 11 साल सत्ता की कुर्सी पर बैठकर भी पाकिस्तान को डरा नहीं सकें। पुलवामा के बाद भी पाकिस्तान पर ठोस कार्रवाई नहीं कर सकें।पहलगाम हमले के 7 दिन में भी पाकिस्तान को सबक सिखा नहीं सकें। बस इसी को छिपाने के लिए, सच को दबाने के लिए, मोदी गिने चुने पत्रकारों को कुचल रहे हैं। लेकिन सच कभी कुचला नहीं जा सकता। वे भूल रहे हैं। गला सबका सूखता है, डर सबको लगता है।

जो 'FOR PM' की रेस में थे उन्होंने '4PM' को बंद करवा दिया है : अखिलेश

उप्र से चलनेवाले देश के सबसे लोकप्रिय चैनलों में से एक 4PM चैनल की अभिव्यक्ति का गला घोंटकर जिन्होंने लोकतंत्र की आवाज़ की हत्या की है, जनता उन्हें कभी क्षमा नहीं करेगी। उप्र में अन्याय का राज 'महा अन्यायराज' की ओर बढ़ चला है। एक सफल चैनल के रूप में जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सैकड़ों-हजारों को रोज़गार के अवसर दे रहा था, उस चैनल को बंद करके भाजपा को भला क्या मिलेगा। सरकार तुरंत इस चैनल को वापस शुरू करवाए या ये स्वीकार करले कि ये अघोषित आपातकाल का दौर है। भाजपा की प्रचार नीति : अगर भाजपा के गीत नहीं गाओगे, तो ख़ामोश कर दिये जाओगे। हम '4PM' के इस संघर्ष में साथ खड़े हैं क्योंकि पीडीए के पी हम हर 'पीड़ित पत्रकार' को भी शामिल हुआ मानते हैं। पत्रकार कहे आज का, नहीं चाहिए

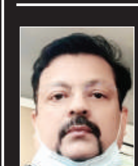

"संजय शर्मा ने बड़ी मेहनत से अपना चैनल खड़ा किया था। ये सही बात है कि वो एंटी इस्टैब्लिशमेंट पत्रकार है और उनके अखबार में भी ऐसी बोल्ड खबरें पढ़ने को मिलती थीं।सरकार ने अचानक उनका चैनल 4पीएम बंद कर दिया है।बेहतर होगा सरकार उनकी बात भी सुने। ये अधिकार संजय को मिलना चाहिये।

-दीपक शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

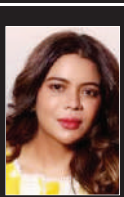

"भाजपा के ट्रोल कश्मीर में तैनात अधिकारियों के बारे में गोपनीय जानकारी सार्वजनिक कर रहे हैं, जिससे उनकी भलाई और राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। भाजपा सांसद बकवास कर रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हित को और नुकसान पहुंच रहा है। लेकिन सरकार पत्रकारों और उनसे जवाबदेही मांगने वालों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

- रोहिणी सिंह

"फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने 4 पीएम यूट्यूब चैनल पर बैन लगाने की आलोचना की। उन्होंने कहा जिनके खिलाफ पहलगाम अटैक के बारे में प्रासंगिक सवाल पूछने के लिए एफआईआर दर्ज की गई है और/या चैनल को निलंबित कर दिया गया है. जैसे.. इस पैमाने की सुरक्षा विफलता कैसे हो सकती है।

-स्वरा भास्कर

"अब संजय शर्मा का बहुचर्चित चैनल 4पीएम भाजपा ने बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि आखिर भाजपा चाहती क्या है?

सुरेन्द्र राजपूत, कांग्रेस प्रवक्ता

वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार ने 4पीएम के समर्थन में बनाया वीडियो

एक्शन पाकिस्तान पर दिखाएये, अपने ही लोगों को निशाना मत बनाइये : पवन खेड़ा

कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा ने कहा राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में मोदी सरकार सवाल पूछने वाले 4पीएम, लोक गायिका नेहा ठाकुर व मेडुसा

जैसे व्यंग्यकारों का गला घोंट रही है। मोदी जी, राष्ट्रीय सुरक्षा को सवाल पूछने वालों से नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा संकट के समय जवाब ना देने की आपकी आदत से है, दिन रात सांप्रदायिक जहर उगलने वाले आपके सांसदों से है। आपदा में अवसर ढूँढने वाली हिंदू मुस्लिम की आग भड़काने वाली आपकी ट्रोल आर्मी से है। एक्शन पाकिस्तान पर दिखाइये, अपने ही लोगों को निशाना मत बनाइये।

कितनी डरपोक सरकार है : सुप्रिया श्रीनेत

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा इतना बड़ा हमला हुआ, मीडिया ने सवाल नहीं पूछे। बेचारे सब पीएमओ के चपरासी व्हाटसेप पर एजेंडा चलाने में व्यस्त है। लोक गायिका नेहा राठौर, व्यंगकार मेडुसा व 4पीएम के संपादक संजय शर्मा जैसों के खिलाफ़ कार्यवाही होगी। क्योंकि वो जरूरी सवाल उठा रहे हैं, सच दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। कितनी डरपोक सरकार है!

ये कार्यवाही हर हाल में रद्द होनी चाहिए : गुरदीप सिंह सप्पल

गुरदीप सिंह सप्पल ने कहा पता चला है कि आज सुबह 4पीएम के यूट्यूब चैनल भारत सरकार के निर्देश पर बंद कर दिया गया है।

4पीएम पत्रकारिता सरकारों को आईना दिखाती है, बस यही बात मोदी सरकार को नागवार गुज़रती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कॉंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और लोकसभा में नेता राहुल गाँधी जी सहित पूरे विपक्ष ने सरकार को किसी भी कार्यवाही में साथ देने का विश्वास दिलाया था। पाकिस्तान पर कार्यवाही की देश बाट जोह रहा है, सरकार के साथ है। उसका इंतज़ार तो बरकरार है, लेकिन इस बहाने अपने देश की आवाज़ पर निशाना साधने की कार्यवाही शुरू हो गई है। पहले नेहा फिर मेडुसा और अब 4पीएम के संपादक संजय शर्मा निशाने पर आ गए हैं। सिर्फ़ इस लिए कि वो सवाल पूछते हैं! सवालों से डरने वाली सरकार निडर नहीं होती है। ये कार्यवाही हर हाल में रद्द होनी चाहिए।

"अगर किसी वीडियो से दिक्कत थी तो नोटिस भेजा जा सकता था। संपादक संजय सर जरूर जवाब देते लेकिन चैनल बंद नहीं होना चाहिए। मैं 4पीएम के के साथ हूं।

- कुमकुम बिनवाल

"एक काला दिन। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर एक चैनल को कैसे ब्लॉक कर सकती है। 4 बजे का समाचार लोगों की आवाज़ उठा रहा था और अगर कोई विशेष कार्यक्रम अपमानजनक था, तो सरकार पूरे चैनल को ब्लॉक करने के बजाय सुधार करने के लिए कह सकती थी।

- नीलूओपिन्स

मोदी जी आलोचना सुनना सीखो : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा है कि मोदी को लड़ना था पाकिस्तान से लड़ रहे हैं देश में 4पीएम यूट्यूब चैनल चलाने वाले से। मोदी जी इतना मत घबराओ लोकतंत्र में आलोचना सुनना सीखो। कुंवर शोभित सिंह ने भी आप सांसद की बात को आगे बढ़ाया।

"संपादक संजय शर्मा के समर्थन में पूरे भारत के लो आ गए है। आम लोगों से खास ने सरकार के इस फैसले को गलत बताया है। एक समर्थक प्रशांत ने कहा कि आज सरकार के आदेश पर हमारे अनुज समान मित्र संजय शर्मा का 4पीएम नेशनल चैनल बंद करवा दिया गया है। इस चैनल के सत्तर लाख से ज्यादा सब्स्क्राइबर थे। हमारी मांग है कि 4पीएम चैनल पर लगा प्रतिबंध अविलंब हटाया जाए। हम सरकार कि इस कदम की कड़ी निंदा करते हैं।

- डा. राकेश पाठक

जब तानाशाह डरता है तो बेखौफ आवाजों को दबाता है : लक्ष्मण

सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मण यादव ने कहा कि जब जब तानाशाह डरता है, बेख़ौफ़ आवाज़ों को दबाता है। किसी लोकगायिका से डर जाए, किसी सामाजिक कार्यकर्ता के भाषण से डर जाए।अब वे एक यूट्यूब चैनल से डर जाए। संजय शर्मा जी की अगुआई में चलने वाले एक शानदार यूट्यूब चैनल 4पीएम सरकार ने फ़िलहाल भारत में रोक लगा दी गई है। यह शर्मनाक है।

"राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए केंद्र सरकार ने 4 पीएम का नेशनल चैनल किया बंद, एडिटर संजय शर्मा बोले- मोदी देश नहीं हैं। सरकार से सवाल पूछना गुनाह नहीं है. लोकतंत्र में आवाज उठाना हमारा अधिकार है।

-जर्नो मिरर

सच्ची पत्रकारिता पर हमला है 4पीएम को बहाल करो

"कुछ लोगों ने कहा पाकिस्तान का चैनल बैन करना तो समझ आता है मगर भारत के चैनल से क्या दिक्कत हो रही है, ये सच्ची पत्रकारिता पर हमला है

"सच, सवाल और पत्रकारिता में वो धार होती है। जो किसी भी कुर्सी पर बैठे शख्स को हिला सकती है। डरा सकती है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर 4पीएम यूट्यूब चैनल को भारत में बैन किया जो निहायत ही गलत कदम है।

"आतंकियों से लड़ने की बजाय सवाल पूछने वाले चैनलों को निशाना बना रही है सरकार चैनल को बंद करना सरकार की कायरता है... आतंकियों से लड़ने की बजाय विपक्षी, कवियों, व्यंग्यकारों और सवाल पूछने वाले चैनलों को निशाना बना रही है... शर्मनाक!

"अभी तो ये शुरुआत है, अगर सब साथ मिलकर इसका विरोध नहीं किया गया तो कल दूसरे का चैनल बंद होना तय। फैसला करना होगा मीडिया बन्धु को की आंख आंख डालकर प्रश्न करना है या डर कर चुप हो जना है।

–सहकार

"मोदी सरकार अपने नागरिकों को बचा नहीं पाती है तो विपक्ष को निशाने पर लेने लगती है। अब विपक्ष के बाद पत्रकारों पर कहर ढाने लगी है। 4 पीएम यूट्यूब चैनल को बैन करके सरकार ने अपनी घटियापन दिखा दिया।

–राकेश श्रीवास्तव

"अगर इनके चैनल का नाम FOR PM होता तो शायद आज चैनल बंद नहीं होता - मनीष यादव

अराजक तत्व पूरे देश में ध्रुवीकरण और सांप्रदायिकता का जहर फैला रहे

पत्रकार संजय शर्मा का यूट्यूब चैनल 4 पीएम सरकार ने बंद करवा दिया है। उनके मुताबिक, सरकार ने नेशनल सिक्योरिटी का हवाला दिया है। इसी तरह नेहा सिंह राठौर पर केस दर्ज कर दिया गया है। यह हरकतें कायराना और अलोकतांत्रिक हैं। बाहर के हमले से निपट नहीं सकते तो घर में ही घरवार कर रहे हैं। एक तरफ इनके पाले हुए अराजक तत्व पूरे देश में ध्रुवीकरण और सांप्रदायिकता का जहर फैला रहे हैं, दूसरी तरफ सरकार आलोचनाओं को कुचलने में लगी है।

समाधान देने की जगह खुद ही समस्या बनती जा रही सरकार

हमारी सरकार राष्ट्रीय संकट का समाधान देने की जगह खुद ही समस्या बनती जा रही है। 4पीएम यूट्यूब चैनल को मोदी सत्ता ने बैन करवा दिया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सत्ता से सवाल करना सबसे बड़ा गुनाह बन चुका है। क्या अब भी इस देश में तानाशाही की घोषणा की जरूरत है।

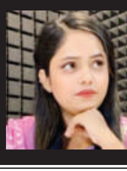

"कभी नेहा सिंह राठौर से दिक्कत..करा दो एफआईआर, कभी मेडुसा के व्यंग्य से दिक्कत..करा दो एफआईआर! अब वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा जी के यूट्यूब चैनल 4 पीएम से दिक्कत... करवा दिया बंद ! बाकी गोदी में बैठे दलाल रोजाना पाकिस्तानियों को टीवी पर बुलाकर मुर्गा लड़ाई करवा रहे हैं ! देश के खिलाफ जहर उगलवा रहे हैं..उनसे कोई दिक्कत नहीं है ? - निगार परवीन

"4पीएम यूट्यूब चैनल पर ताला लगाना साबित करता है। नरेंद्र मोदी सरकार सच से डरती है। डर किससे है? सवालों से या जवाबों से?

- दीपक खत्री

"भाजपा चाहती है कि ये जो अर्बन नक्सल है और जो बौद्धिक आतंकवाद फैलाते हैं इन पर लगाम लगे असल में दिक्कत इस बात की है कि आप लोगों में देशभक्ति तो है नहीं आप लोगों को देश से मतलब है नहीं है आप लोग कुर्सी के लिए देश अस्मिता से खिलवाड़ करते हैं तो इसलिए आप लोगों को सुधारने के। लिए करना ही पड़ेगा।

- अरुण सिंह

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com
website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।